B.Ed. I^st year

Subject :- Teaching of Social Science

Topic :- Place of Social Studies in Secondary School Curriculum

(माध्यमिक स्तर पर सामाजिक अध्ययन की पाठ्यक्रम में स्थान)

सामाजिक अध्यापन / सामाजिक विज्ञान को पाठ्यक्रम मे स्थान देने के निम्नलिखित आधारो पर स्पष्ट किया है —

1. समाजशास्त्रीय आधार (Sociological Basis)

समाज विशेष की संरचना, उसकी संस्कृति तथा धार्मिक स्थिति उसके शिक्षा के स्वरूप को निश्चित करने के मुख्य आधार होते है। समाज परिवर्तनशील है। इस दृष्टि से सामाजिक विज्ञान अत्यन्त महत्त्वपूर्ण विषय है क्योंकि यह एक ओर तो पुरानी मान्यताओ की रक्षा करता है और दूसरी ओर इन परिवर्तनो से मौजूदा पीढ़ी को अवगत कराता है और उपयोगी परिवर्तनो को स्वीकार करता है। अतः इस दृष्टि से सामाजिक विज्ञान की स्थिति विद्यालय पाठ्यक्रम मे अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है और उपयोगी है।

2 दार्शनिक आधार (Philosophical Basis)

दार्शनिक दृष्टिकोण जीवन के बारे मे भिन्न-2 हो सकते है लेकिन इतना अवश्य है कि सभी मनुष्य के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, नैतिक, चारित्रिक विकास करने पर बल देते है। अतः विद्यालय पाठ्यक्रम सामाजिक विज्ञान का स्थान समाज के विकास के साथ-2 मनुष्य के विकास की दृष्टि से भी अत्यन्त महत्त्वपूर्ण और उपयोगी है।

3 राजनैतिक आधार (Political Basis)

जिस समाज मे जैसी शासन प्रणाली होती है वहाँ की शिक्षा के उद्देश्य भी उसी के अनुरूप निश्चित होते है। एकतन्त्र शासन प्रणाली मे शासक अपनी मान्यताओ और आकांक्षाओ के अनुसार उद्देश्य निर्धारित करता है। इसके विपरीत लोकतन्त्र मे शासन प्रणाली मे समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आदर दिया जाता है। इसमे स्वतन्त्र चिन्तन और स्वतन्त्र अभिव्यक्ति की शक्ति का विकास होता है। इसलिए यह भी महत्त्वपूर्ण और उपयोगी है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4. आर्थिक आधार (Economic Basis)

समाज का अर्थिक तन्त्र और उसकी आर्थिक स्थिति शिक्षा को निश्चित करने के आधार होते हैं आर्थिक दृष्टि से अच्छा समाज और पिछड़े समाज की स्थिति भिन्न होती है। सामाजिक विज्ञान इन सब परिस्थितियों का अध्ययन करता है और इसका समाधान ढूंढता है। अतः यह महत्वपूर्ण व उपयोगी है।

5. मनोवैज्ञानिक आधार (Psychological Basis)

मनोविज्ञान ने मनुष्य की प्रकृति और उसके शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक और सामाजिक विकास का अध्ययन कर स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी दो बालक एक समान नहीं होते। उनका सम्पूर्ण विकास उनकी जन्मजात शक्तियों, उनकी रुचि, रुझान और योग्यता पर निर्भर करता है। इसलिए शिक्षा को भी मनोविज्ञान के सिद्धान्तों पर आधारित कर दिया है। अतः सामाजिक विज्ञान का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से विद्यालय पाठ्यक्रम में स्थान अत्यन्त महत्वपूर्ण व उपयोगी है।

6. शैक्षिक आधार (Educational Basis)

आधुनिक शिक्षाशास्त्री यह स्वीकार करते हैं कि बालक क्रिया द्वारा भली प्रकार सीखता है और उससे प्राप्त अनुभव के आधार पर वह तेजी से ग्रहण करता है। यह अनुभव अधिक स्थायी होता है। अतः यह भी पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण व उपयोगी है।

7. वैज्ञानिक आधार (Scientific Basis)

आज विज्ञान का युग है, और विज्ञान युग भी अन्तरिक्ष में प्रवेश कर गया है, आध्यात्मिक की प्राप्ति के लिए भी भौतिक जीवन की सुरक्षा आवश्यक है। विज्ञान ने हमें अन्धविश्वासों की दुनिया से निकालकर अनुभूत ज्ञान को स्वीकार करने की ओर प्रवृत्त किया है। अतः वैज्ञानिक दृष्टि से सामाजिक विज्ञान का स्थान विद्यालय पाठ्यक्रम में अत्यन्त महत्वपूर्ण व उपयोगी है।

Thankyou

Scanned with CamScanner